गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल चास

विशेष अवकाश कार्य

2020-21

वर्ग षष्ठी

भाषा और व्याकरण

भाषा व साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने भावों या विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते है-मौखिक भाषा तथा लिखित भाषा

भाषा का वह रूप जिसमें विचारों का आदान-प्रदान बोलकर या सुनकर किया जाता है, मौखिक भाषा कहलाता है।

विचारों का आदान-प्रदान जब लिखकर या पढ़कर किया जाता है, सब भाषा का रूप लिखित भाषा कहलाता है।

लिपि

मौखिक ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के लिए जिन चिह्नो का प्रयोग किया जाता है ,उन्हें लिपि कहते हैं ।

भाषा	लिपि
संस्कृत	देवनागरी
हिंदी	देवनागरी
अंग्रेजी	रोमन
फारसी	फारसी
उर्दू	फारसी

भाषा की मूल इकाई है वर्ण, शब्द, पद और वाक्य।इन इकाइयों के बारे में अच्छी तरह समझने के लिए व्याकरण के चार अंग बनाए गए हैं।

- वर्ण विचार-व्याकरण के इस अंग में वर्णों के भेद, उनके उच्चारण स्थान वर्णों के संयोग आदि के बारे में जानकारियां मिलती है।
- शब्द विचार-व्याकरण के इस अंग में शब्दों के भेद उनकी बनावट आदि के बारे में जानकारियां मिलती हैं
- पद विचार- व्याकरण के इस अंग में वाक्य में प्रयुक्त शब्दों की पहचान पदों के रूप में कराई जाती है।
- वाक्य विचार- व्याकरण के इस अंग में वाक्यों की रचना उनके भेद आदि के बारे में जानकारियां मिलती है।

अभ्यास कार्य

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखें।

का)विचारों का आदान-प्रदान किन-किन रूपों में हो सकता है?

ख)हिंदी और संस्कृत भाषा की लिपि बताइए।

ग) व्याकरण के कितने अंग बनाए गए हैं?

घ) भाषा की परिभाषा लिखिए।

ङ) किसी भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कैसे होता है?

च) पंजाबी तथा अंग्रेजी भाषा की लिपि का नाम लिखिए।